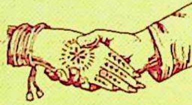
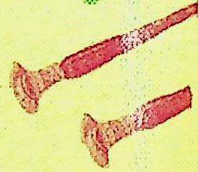


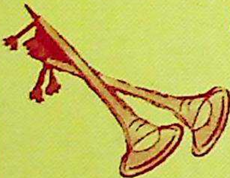


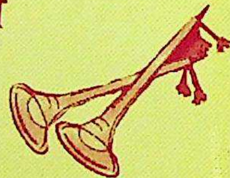


मॉँगलिका


अलका अग्रवाल





मॉँगलिका



मांगलिक कार्यक्रमों

में गाये जाने वाले

आधुनिक गीत

:: लेखिका ::

श्रीमती अलका अग्रवाल

प्रकाशक

अग्रवाल इन्टरप्राइजेज, पुणे

फोन : 26836413

प्रकाशिका :- श्रीमती अलका अग्रवाल
द्वारा अग्रवाल इन्टरप्राइजेज
ओ-12, प्रथम तल, ब्रम्हा आँगन
कामर्शियल बिल्डिंग,
सालुन्के विहार रोड,
कोंढवा, पुणे-48

प्रथम संस्करण : 2003

मूल्य : 40/- रू.

:: मुद्रक ::
गोमती प्रिन्टर्स
2/39, विराम खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ
फोन : 2397195, 3105652

प्रस्तावना

भारत देश गीत-संगीत से सराबोर देश है। हमारे देश में माँगलिक कार्यक्रमों में नृत्य - संगीत का आयोजन सदैव से ही होता आया है। प्रत्येक माँगलिक आयोजन गीत - संगीत के बिना अधूरा है। दादी-नानी के गीतों को सुन-सुन कर आप बोर हो चुके होंगे।

आपके इन कार्यक्रमों को और जीवन्त बनाने के लिए प्रस्तुत है, आधुनिक माँगलिक गीत।

इन गीतों में, आज के बदलते समय में हर रिश्ते के भावों को दर्शाने की कोशिश की गयी है। मेरा अनुमान ही नहीं बल्कि यकीन है, कि ये गीत आपके दिलों को गुदगुदाने में अवश्य सफल होंगे।

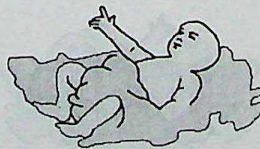
दिनांक : 5-12-2003

अलका अग्रवाल
बी-2/3, ब्रम्हा आँगन
सालुन्के विहार रोड,
कोंढवा, पुणे-411048
टेलीफोन : 26836413

सोहड़

सोहड़

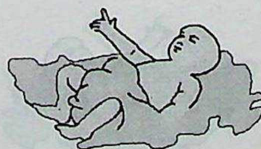
(1) मेरे ललना का पलना झुलाने,
हो, सासू रानी दौड़ी आई-2
सासू भी आई, ससुर जी भी आये-2
सासू ने मांगी मिठाई.
हो, सासू रानी दौड़ी आई
मेरे ललना..........आई.
देवर भी आये, ननदिया भी आई
ननदी ने मांग लई नेग
हो, ननदी रानी दौड़ी आई.
मेरे ललना....................आई..
नानी भी आई और नाना भी आये,
नानी ले आई पैजनियां और हार.
हो नानी रानी दौड़ी आई
मामा भी आये और मौसी भी आई,
मौसी ले आई खिलौना बाजार.
हो मौसी रानी दौड़ी आई.
मेरे ललना.............आई.



(2) लड्डू बनाये लाई देखो मेरी सासू-2
मैने जना था ललना तो सास लाई लड्डू-2
मैं जो जनती ललनी तो सासू मुंह बनातीं.
लड्डू...........................सासू.
हरीरा बनाये लाई देखो मेरी ननदी-2
मैंने जना भतीजा तो ननदी लाई हरीरा-2
मैं जो जनती भतीजी तो ननदी मुंह बनातीं.
हरीरा...........................ननदी.
पंजीरी बनाये लाई देखो मेरी जेठानी-2.
मैंने जना था ललना तो जेठानी लाई पंजीरी-2
मैं जो जनती ललनी तो जेठानी मुंह बनातीं.
पंजीरी......................जेठानी.



(3) बाजो बाजो रे बधाई आज ललना हुए-2
ललना हुए आज ललना हुए-2
बाजो बाजो रे बधाई आज ललना हुए-2
ललने की नानी आवें, हार पहनावें-2
हार पहन ललना कैसा सजे.
बाजो बाजो....................ललना हुए-2
ललने की दादी आवें पायल पहनावें-2
पायल ललने के पांव में कैसी बजे.
बाजो बाजो................ललना हुए-2
ललने की मौसी आवें, बाजूबन्द लावें-2
बाजूबन्द बाहों में कैसा सजे.
बाजो बाजो.................ललना हुए-2
ललने की बुआ आवें, खिलौने ले आवें-2
खिलौने से देखो ललना कैसा खेले.
बाजो बाजो.................ललना हुए-2
ललने के मामा आवें, पलना ले आवें-2
पलने में प्यारा ललना कैसा सोवे.
बाजो बाजो................ललना हुए-2.



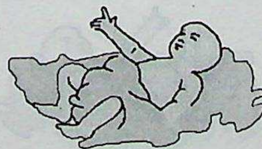
(4) (तर्ज- झिलमिल सितारों का आंगन होगा,
रिमझिम बरसता सावन होगा.)

फूलों से महका ये घर होगा,
खुशियों से चहका आंगन होगा,
मेरा प्यारा ललना अपने पालने में होगा।
फूलों से....................आंगन होगा।
सास ससुर और ननदी देवर सब यहां आयेंगे,
मेरे प्यारे ललना को दुआयें दे जायेंगे।
दुआओं में सबकी वो असर होगा,
ललना मेरा सदा फूले फलेगा।
फूलों से....................आंगन होगा।
मम्मी पापा भैया बहना सब घर आयेंगे,
ललने के लिये ढेरों तोहफे लायेंगे।
ललना मेरा तोहफों से खेलेगा,
सबकी आंखों का वो तारा होगा।
फूलों से....................आंगन होगा।
ललने के पापा जब ललने को उठायेंगे,
उसको निहारेंगे उस पे वारी जायेंगे।
ललना मेरे घर का दीपक होगा,
जुग-जग जियेगा, वो फूले-फलेगा।
फूलों से....................आंगन होगा।



(5) (तर्ज- बृज चूड़ी बेचने आया.)

कैसा ये शुभ दिन आया? ललना घर में है जाया।-2
ललना के पापा से पूछो, ललना पे है किसकी छाया?
ललना के पापा ये बोले, ये तो कृष्ण-कन्हैया आया.।
कैसा ये शुभ...............................मैं है जाया।
ललने की दादी से पूछो, ललना पे है किसकी छाया?
ललने की दादी ये बोली, ये श्याम सलोना आया।
कैसा ये शुभ...............................मैं है जाया।
ललने की बुआ से पूछो, ललना पे है किसकी छाया?
ललने की बुआ ये बोली, ये तो बंसी बजैया आया।
कैसा ये शुभ...............................मैं है जाया।
ललने की नानी से पूछो, ललना पे है किसकी छाया?
ललने की नानी ये बोली, ये तो मेरा गिरिधर आया।
कैसा ये शुभ...............................मैं है जाया।



बन्नी-बन्ना
भात
माँग के गीत
ब्याह के गीत
विदाई के गीत
सीख

बन्नी-

(1) माये कर दे मेरा ब्याह, मेरा ब्याह रचा दे री।
मैं तो चली प्यार की राह, मोहे राह दिखा दे री।।
माये कर दे.....................ब्याह रचा दे री।
रातों को मैं जागूं, दिन में जगते सपने देखूं।
मेरे सपन सजा दे मां, मेरा ब्याह रचा दे री.।।
माये कर दे.....................ब्याह रचा दे री।
मैं हूं दो दिन की मेहमान, तेरे घर से जाना री।
मोहे बांध प्यार की डोर, मेरा ब्याह रचा दे री।।
माये कर दे.....................ब्याह रचा दे री।

(2) बन्नो रानी दीवानी हुई है,
तो वो सपनो की रानी हुई है।
वो तो खिड़की से झांके, कभी खोले दरवाजे।
वो किसी की आहट पे मरी है,
वो तो सपने सजाने लगी है।
बन्नो रानी.............रानी हुई है।
वो तो खड़ी मुस्काये, बिना बात ही लजाये।
वो तो प्यार की डगर चली है।
बन्नो रानी.............रानी हुई है।
एक छैल-छबीला आया, बन्नो रानी के मन भाया।
वो तो उसकी दीवानी हुई है।
बन्नो रानी.............रानी हुई है।





(3) ओ मैया मेरी मेरा भी ब्याह रचा दे।-2

ऐसा बनडा ढूंढके लाओ, जो मुझको भा जाये।
संग रहूं मैं उसके ऐसे, जैसे दीया बाती।
ओ मैया मेरी................रचा दे।-2
सास ननदिया ऐसी जैसे, मेरी मां और बहना।
संग रहें वो मेरे ऐसे, जैसे प्यार का गहना।
ओ मैया मेरी................रचा दे।-2
ससुर और देवर ऐसे हों मां, जैसे पापा भैया।
सदा प्यार का हाथ रहे, अब सदा साथ है रहना।
ओ मैया मेरी................रचा दे।
मेरा बनडा चांद का टुकड़ा, जिस पे वारी जाऊॅं।
साया बन के साथ चलूं मैं, सदा साथ है रहना।
ओ मैया मेरी................रचा दे।





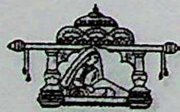
(4) लाडो क्या तू दीवानी हुई है?
किसके सपने सजाने लगी है?
मन ही मन तू मुस्काये,
तू तो जागी न सोई हुई है।
लाडो क्या तू.........सजाने लगी है?
मैया मन मोरा लागे न घर में,
मैं तो पड़ गई रे मां मुश्किल में।
दिल ले गया छैल-छबीला,
मैं तो उसकी दीवानी हुई हूं।
लाडो क्या तू.........सजाने लगी है?
लाडो उससे तू मोहे मिला दे,
उसकी सूरत मुझे भी दिखा दे।
मैं भी जानूं है कौन छबीला?
जिसकी लाडो दीवानी हुई है।
मां ऐसा है मेरा दीवाना,
उसकी चाहत में, मां एक नशा है।
जीया लागे न मोरा पिया बिन,
सारी दुनिया बेगानी हुई है।
लाडो क्या तू.........सजाने लगी है?
मैं भी जानूं है कैसा दीवाना?
जिसकी चाहत में ऐसा नशा है।
तेरा ब्याह रचाऊँगी उससे,
तू तो सच में पराई हुई है।





(5) तर्ज- (बृज चूड़ी बेचने आया)

लाडो कब तक करेगी पढ़ाई?
तेरी शादी की उम्र है आयी।
मैया मैं न करुँ अभी शादी,
मेरी पूरी करा दो पढ़ाई।
तेरी उम्र में मां मैं बनी थी,
तोहे करनी पड़े अब शादी।
मां मुझे न करनी शादी,
मैं तेरी रहूंगी सदा ही।
दुनिया की रीत पुरानी,
हर बेटी को पड़े निभानी।
बेटी तो है सदा परायी,
मैके में कब रह पायी?
लाड़ो अब मान भी जाओ,
जीवन में सब सुख पाओ।


(6) एक प्यार का बीज पलेगा,
मेरी बन्नो के दिल को छलेगा।
वो तो मन ही मन उसे चाहे,
हर क्षण वो राह निहारे।
मां मन से असीस ये देती,
बेटी प्यार के जले तेरी ज्योति।
तू अपने घर को जाये,
अपने पिया जी को पाये।
हर पल वो साथ निभायें,
बस तुझ पे वारी जायें।
देने को असीस मां देती,
पर हर क्षण मन में डरती।
ये दुनिया तो अनजानी,
तुझको भी पड़ेगी निभानी।
जीवन तुझे छल न जाये,
बेटी को निगल न जाये।
वो उसको क्या समझाये,
वो तो प्यार की दुनिया बसाये।





(7) बन्नो रानी तो आज से पराई हो गई,
उसकी बन्ने के साथ सगाई हो गई।
बन्नो रानी तो चांद का टुकड़ा लगे,
उसके माथे पे सुन्दर सा टीका सजे।
बन्नो रानी का रुप है कैसा खिला?
उसके गले में हीरों का हार सजे।
बन्नो रानी...........सगाई हो गई।
उसके हाथों में मेंहदी है खूब रची,
उसकी बाहों में चूड़ी है खनखन बजी।
उसके अंग पे साड़ी और चोली सजी,
उसके पांव में पायल है छमछम बजी।
बन्नो रानी...........सगाई हो गई।
बन्ने राजा ने मुंदडी पहनायी जरा,
बन्नो रानी तो सपन सजाने लगी।
बन्ना बन्नी की जोड़ी है कैसी सजी?
सबके दिल पे है देखो रे छुरियां चलीं।
बन्नो रानी...........सगाई हो गई।





(8) बन्नो रानी की आज है सगाई,
लाडो रानी हो जायेगी पराई।-2
सासू भी आयेंगी, ससुर जी भी आयेंगे,
बन्नो रानी का सुहाग वो लायेंगे।-2
बन्नो रानी...............पराई।-2
ननदी भी आयेंगी देवर जी भी आयेंगे,
बन्नो रानी पे वो वारी जायेंगे।-2
बन्नो रानी...............पराई।-2
बन्ना जो आयेगा, मुंदडी ले आयेगा,
बन्नो रानी को वो मुंदडी पहनायेगा।-2
मुंदडी पहन के बन्नो शरमायेगी,
वो तो बस अपने पिया की हो जायेगी।-2
बन्नो रानी................पराई।-2





(९) तर्ज-(उड़ जा काले-कावां तेरे मुंह विच खंड पावां)

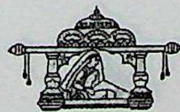
आजा मेरे बन्ने तेरे संग फेरे पावां,
ले जा तू डोला मेरा, मैं तेरे संग जावां।
घर में तो शहनाई बज गई, बज गई ढोलक झांझर।
ले के आजा बन्ने मेरे, तू तो सुख की गागर।
मैं तो तेरे साथ चलूंगी, छोड़ के पीहर का घर।
राह तिहारी मैं तो निहारुं, तेरे संग जाऊँगी।
प्यार के तेरी पेंग बढ़ाउॅ, सब सुख पा जाऊँगी।
आ जा मेरे बन्ने तेरे, मैं सदके जावां।
दुनिया तो चाहे कुछ कह ले, मैं तो तेरी हूं।
तेरे ही मैं साथ रहूंगी, साथ मेरा जो दे तू।
चिट्ठी-पाती लिख-लिख हारी, तू न आया रे।
मोबाइल पे मैसेज छोड़, फोन न आया रे।
आ गया मेरा बन्ना, मुझको ब्याहने आया रे।
संग में हैं बराती उसके, डोला लाया रे।
आ जा मेरे बन्ने, तेरे संग फेरे पावां,
ले जा तू डोला मेरा, मैं तेरे संग जावां।





(10) तर्ज- (दिल लूटने वाले जादूगर अब मैंने तुझे पहचाना है)

दिल लूटने वाले बन्ने अब, तुझे मुझसे ब्याह रचाना है।-2
मैं तेरी राह निहारुंगी, तुझे वादा अपना निभाना है।
अरमान है तुझको देखूं मैं, बन्ने दूल्हे की सज-धज में।
तुझे दूल्हा बनकर आना है, मेरी डोली ले कर जाना है।
दिल लूटने....................रचाना है।-2
मैं दुल्हन बनकर बैठूंगी, तू दूल्हा बनकर आ जाना।
बैंड-बाजे और बरात के संग, तू घोड़ी चढ़ कर आ जाना।
मैं फेरे तुम संग डालूंगी, तुझे मेरी मांग सजाना है।
दिल लूटने....................रचाना है।-2
मम्मी-पापा भैया-बहना, सब छोड़ के मुझको जाना है।
एक बन्ना तू ही मेरा है, मेरे सपनों का राजा है।
तूने मेरा ये दिल लूट लिया, अब तेरा साथ निभाना है।
दिल लूटने....................रचाना है।-2

(11) तर्ज- (मैं का करुं राम, मुझे बुड्ढा मिल गया)

मैं का करुं राम, मुझे बन्ना मिल गया।
बन्ना मिल गया, हाय, हाय बन्ना मिल गया।
हाय मैं का करुं राम मुझे, बन्ना मिल गया।
मैं तो गई बाग, बन्ना फूल ले के आ गया।
सब खड़े देखें, बन्ना फूल भी थमा गया।
मैं हो गई बदनाम, मुझे बन्ना मिल गया।
हाय हाय बन्ना मिल गया, हाय बन्ना मिल गया।
मैं का करुं..................मिल गया।
मैं तो गई कालेज, बन्ना खत ले के आ गया।
सब खड़े देखें, बन्ना खत भी थमा गया।
क्या होगा अंजाम, मुझे बन्ना मिल गया।
हाय हाय बन्ना मिल गया, हाय बन्ना मिल गया।
मैं का करुं..................मिल गया।
मैं तो गई मंदिर, बन्ना हार ले के आ गया।
सब खड़े देखें, बन्ना हार भी पहना गया।
मैं हो गई रे उसकी, मुझको बन्ना मिल गया।
बन्ना मिल गया, मुझको बन्ना मिल गयं
मैं का करुं..................मिल गया।





(12) मेरा बन्ना है अलबेला, वो तो लागे छैल-छबीला।
उसके श्यामल-श्यामल गात, उसके घूंघर वाले बाल।
वो तो दिखता कृष्ण-कन्हाई, कैसी बाजे है शहनाई।
उसकी आंखें हैं नशीली, उसकी बातें हैं रसीली।
उसकी चाल मस्तानी, उसके जोश में रवानी।
मेरा बन्ना है सजीला, उसका दिल है रंगीला।
बन्ना आया डोली ले के, मैं तो उसके ही संग हो ली।
उसको ब्याह के मैं आयी, मैं तो बन्ने के मन भायी।

(13) तर्ज- (बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया)

बोल बन्नो बोल तू किसको वरेगी?-2
वो जो बांका भी हो और सजीला भी हो,
माये मेरी माये मैं उसको वरुंगी।-2
बोल बन्नो................वरेगी?-2
जो पढ़ा-लिखा हो और कमाता भी हो,
माये मेरी...................वरुंगी।-2
बोल बन्नो................वरेगी?-2
जिसके बंगले भी हों, नौकर-चाकर भी हों,
माये मेरी...................वरुंगी।-2
जो मेरा ही रहे, मेरे दिल को हरे,
माये मेरी...................वरुंगी।-2





(14) हरियाली बन्नो लाडली मिलने को तरस रही रे।-2
बाबा जी एक अरज सुन लीजे,
दादी जी एक अरज सुन लीजे,
बन्ने से मुझको मिलवा दीजे,
मैं छैल-छबीला देख के शादी को रचाऊँगी,
मैं बांका-सजीला देख के शादी को रचाऊँगी।
हरियाली बन्नो................तरस रही रे।-2
पापा जी एक अरज सुन लीजे,
मम्मी जी एक अरज सुन लीजे,
बन्ने से मुझको मिलवा दीजे,
मैं लूला-लंगड़ा देख के शादी को रचाऊँगी,
मैं हकला-टकला देख के शादी को रचाऊँगी।
हरियाली बन्नो................तरस रही रे।-2
भैया जी एक अरज सुन लीजे,
जीजा जी एक अरज सुन लीजे,
बन्ने से मुझको मिलवा दीजे,
मैं पढ़ा-लिखा देख के शादी को रचाऊँगी,
मैं नौकरी-पेशा देख के शादी को रचाऊँगी।
हरियाली बन्नो................तरस रही रे।-2

(15) तर्ज- (एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा)

जब बन्नी को देखा तो ऐसा लगा,
जैसे खिलता गुलाब, वो तो शर्मीली नार,
जैसे मेरा हो ख्वाब, वो ही मेरा हो प्यार,
जैसे ठंडी सी धूप, उसका मस्ताना रुप,
उसकी खनखन खनकती हो मीठी हंसी।
होSS, जब बन्नी को देखा तो ऐसा लगाSS।
जैसे मस्त पवन, उसका चंदा सा रुप,
जैसे शीतल किरण, जैसे वन का हिरण,
जैसे कोयल का गान, जैसे झरने का नांद,
जैसे मुरली की तान,
जैसे मंदिर में बजती हो घंटी मधुर।
होSS, जब बन्नी को देखा तो ऐसा लगाSS।





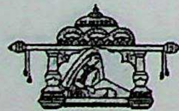
(16) तर्ज- (ये कौन आया रौशन हो गई
महफिल जिसके नाम से)

ये कौन आया?
बस गया दिल में,
ले गया दिल को निकाल के,
बन्नी उसकी राह निहारे,
क्या होयेगा राम रे?
ये कौन आया?
बन्ना था वो छैल-छबीला,
ले गया दिल को निकाल के,
बन्नी के सपने में हरदम,
आता सुबह शाम रे।
ये कौन आया?
मीठे-मीठे बैन थे उसके,
तीखे-तीखे नैन थे,
मोहिनी मूरत, सांवली सूरत,
मन में बस गई राम रे,
ये कौन आया?





(17) तर्ज- (रमैय्या वस्ता-वैया)-2,
(मैंने दिल तुझको दिया)-2
(ओ मेरे प्यारे बन्ने, ओ मेरे सोणे बन्ने)-2
(मैंने दिल तुझको दिया)-2
ओ मेरे प्यारे..................बन्ने)-2
बन्ने आना जी तुम, भूल जाना न तुम,
अपनी बन्नी से वादा निभाना जी तुम)-2
होSS होSS (बन्ने बारात लाओ,
अपना वादा निभाओ)-2
(ओ मेरे प्यारे.................बन्ने)-2
बन्ने आओ जी तुम, सिंदूर लाओ जी तुम,
(अपनी बन्नी की मांग सजाओ जी तुम)-2
होSS होSS (बन्ने सिंदूर लाओ,
बन्नी की मांग सजाओ)-2
(ओ मेरे प्यारे................बन्ने)-2
बन्ने आओ जी तुम, डोली लाओ जी तुम
(अपनी बन्नी को विदा कराओ जी तुम)-2
होSS होSS (बन्ने डोली ले आओ,
बन्नी को विदा कराओ)-2
(ओ मेरे प्यारे................बन्ने)-2


(18) तर्ज-(मेरा बलमा रंग-रंगीला, मैं तो नाचूंगी)

मेरा बन्ना छैल-छबीला, मैं तो जाऊँगी।
मेरा बन्ना रंग-रंगीला, मैं तो जाऊँगी।
कजरा लगा के, गजरा सजा के, मैं शरमाऊँ रे।
मेरा बन्ना..................तो जाऊँगी।
बिंदिया सजा के, बेंदी लगा के, मैं शरमाऊँ रे।
मेरा बन्ना..................तो जाऊँगी।
चूड़ी खनका के, पायल बजा के, मैं शरमाऊँ रे।
मेरा बन्ना..................तो जाऊँगी।
चुनरिया ओढ़े, डोली पे चढ़ के, मैं तो जाऊँ रे।
मेरा बन्ना..................तो जाऊँगी।

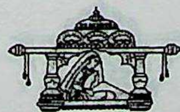
(19) तर्ज-(दूर कोई गाये, धुन ये सुनाये,
तेरे बिन छलिया रे, कि बाजे न मुरलिया रे)

बन्ना बुलाये, बन्नी नहीं आये,
बन्ना सोचे रे, कैसे मनाऊँ बन्नी रे?
गहने गढ़ाऊँ, साडी मंगाऊँ,
मान भी जाओ रे, बन्नी काहे को मुझ से रुठी रे?
चूड़ी मंगा दो, बेंदी सजा दो,
मान मैं जाऊँगी, बन्नी बन्ने से तब ये बोली रे।
बन्ना बुलाये...............बन्नी रे?
कार दिलाऊँ, तुमको घुमाऊँ,
मान भी जाओ रे, बन्नी काहे को मुझसे रूठी रे ?
बिंदिया सजाओ, बिछुए भी लाओ,
बन्नी बन्ने से तब ये बोली रे।
बन्ना बुलाये...............बन्नी रे?
महल बनाऊँ, सेज सजाऊँ,
मान भी ज़ाओ रे, बन्नी काहे को मुझसे रुठी रे?
चुनरी ओढ़ाओ, मांग सजाओ,
मान मैं जाऊँगी, बन्नी बन्ने से तब ये बोली रे।
बन्ना लाया, चूड़ी, बेंदी, बिछुए,
मांग सजाई रे, बन्नी बन्ने की तब हो गई रे।

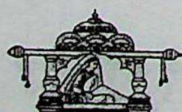




(20) तर्ज- (सौ साल पहले, (मुझे तुम से प्यार था)-2
आज भी है, और कल भी रहेगा)
बन्नी का बन्ने से, (पहले से प्यार था)-2
आज भी है और कल भी रहेगा।
बन्ना तो बन्नी ब्याहने (कल भी तैयार था)-2
आज भी है और कल भी रहेगा।
मेरा बन्ना है हठीला,
वो तो बांका, छैल-छबीला,
मेरे दिल को वो ही भाये,
मैं तो उसकी होने चली।
बन्नी का.................कल भी रहेगा।-2
मेरी बन्नी है सजीली,
वो तो मिश्री की डली,
बन्नी बन्ने के मन भायी,
वो तो उसकी होने चली।
बन्नी का.................कल भी रहेगा।-2
बन्ना बन्नी से बोला,
बन्नी ब्याह रचा लें रे,
ये जीवन है एक फूल,
आओ जी बन्नी फूल खिला दे रे।
बन्नी का.................कल भी रहेगा।-2

(21) तर्ज- (भीगा-भीगा है समां, प्यारा-प्यारा है समां,
मेरा दिल ये पुकारे आ जा,
मेरे गम के सहारे आ जा)
(प्यारा-प्यारा है समां, क्या सुहाना है समां?
बन्नी तुझको पुकारे बन्ने आजा,
तेरी राह तके बन्नी आ जा।)-2
बन्ने पगड़ी लगा के आ जा,
उस पे कलगी सजा के आ जा,
प्यारा-प्यारा............आ जा।-2
बन्ने बरात सजा के आ जा,
बैंड-बाजा ले के आ जा,
प्यारा-प्यारा............आ जा।-2
बन्ने घोड़ी चढ़ के आ जा,
तू डोली ले कर आ जा,
प्यारा-प्यारा............आ जा।-2


(22) मैं आधुनिक हूं नार, मैं तो साड़ी न पहनूं,
साड़ी न पहनूं, मैं तो साड़ी न पहनूं,
साड़ी जो पहनूं, वो तो सरक-सरक जाये,
मेरे बन्ने जी मुझको, जीन्स-टाप दिला दो जी।
मैं आधुनिक हूं नार, मैं तो चोटी न करुँ,
चोटी न करुँ, मैं तो चोटी न करुँ,
चोटी जो करुँ, वो तो खुल-खुल जाये रे,
बन्ने जी मेरे बाल, बॉब कट करा दो जी।
मैं आधुनिक हूं नार मैं तो चूड़ी न पहनूं,
चूड़ी न पहनूं, मैं तो चूड़ी न पहनूं।
चूड़ी जो पहनूं, वो तो खनखन बाजे री,
मेरे बन्ने जी मोहे, तुम घड़ी दिला दो जी।
मैं आधुनिक हूं नार, मैं तो पायल न पहनूं।
पायल न पहनूं, मैं तो पायल न पहनूं,
पायल जो पहनूं वो तो छमछम बाजे रे,
मेरे बन्ने जी मुझको, उँची सैंडिल दिला दो जी।





(23) तर्ज- (मेरे ख्वाबों में जो आये,
आ के मोहे छेड़ जाये,
उससे कहो मेरी नींद न चुराये।)
मेरा बन्ना जो आये, आ के मोहे ले जाये,
उससे कहो वो बरात ले के आये।
मेरा बन्ना जो आयेSS।
बन्ना तो सुन्दर-सलोना है मेरा,
लगता है कैसा सजीला है बन्ना।
उससे कहो मेरी नींद न चुराये।
मेरा बन्ना जो आयेSS।
बन्ने तुम्हें तो आना पड़ेगा,
शादी का जोड़ा भी लाना पड़ेगा,
उससे कहो वो सिंदूर ले के आये।
मेरा बन्ना जो आयेSS।
बन्ना जो तू बरात ले के आये,
मेरा डोला भी साथ ले के आये,
उससे कहो मेरा डोला ले के जाये।
मेरा बन्ना जो आयेSS।





बन्ना-

(1) तर्ज-(डोली चढ़ के दुल्हन ससुराल चली)

घोड़ी चढ़ के बन्ना ससुराल चला, घोड़ी चढ़ के।
कैसी हसरत से बन्नी की देखे गली।
घोड़ी चढ़ के.............................चढ़ के।
वो तो सेहरे में मुखड़ा छुपा के चला,
अपनी बन्नी से वादा निभाने चला।
घोड़ी चढ़ के.............................चढ़ के।
बैंड-बाजा और डोली ले साथ चला,
वो तो बन्नी को ब्याहने ससुराल चला।
घोड़ी चढ़ के.............................चढ़ के।
चाचा, मौसा, मामा, जीजा, भाई सभी,
यार दोस्तों की ले के बरात चला।
घोड़ी चढ़ के.............................चढ़ के।
नये रिश्तों की डोर बंधा के बन्ना,
मां-बाप का कर्ज चुकाने चला।
घोड़ी चढ़ के.............................चढ़ के।





(2) बन्ना धीरे-धीरे जाना ससुराल गलियां-3
बन्ना उँची-नीची डगर, पग संभाल रखना।
बन्ना धीरे....................गलियां।-2
बन्ना बन्नी के साथ वहां साली होगी,
साली तेरी तो आधी घरवाली बनेगी।
जरा रखना तू दिल को संभाल बन्ने।
बन्ना धीरे...................गलियां।-2
बन्ना बन्नी के साथ वहां साले होंगे,
वो तो तेरी आंखों के तारे बनेंगे।
जरा रखना तू पाकेट संभाल बन्ने।
बन्ना धीरे...................गलियां।-2
बन्ना बन्नी के साथ वहां सासू होंगी,
जो तुझसे सदा लाड़ लड़ाया करेंगी।
तू फंसना न उनके प्यार में बन्ने।
बन्ना धीरे...................गलियां।-2
बन्ना बन्नी तेरी राह तकती होगी,
तू जा के उसे ब्याह ले आना बन्ने,
सदा उसको ही दिल में बसाना बन्ने।
बन्ना धीरे...................गलियां।-2





(3) तर्ज- (हो ले के पहला-पहला प्यार,
भर के आंखों में खुमार,
जादू नगरी से आया है, कोई जादूगर)
हो ले के अपनी बरात, व्याहने बन्नी को आज,
देखो दूर से आया हरियाला बन्ना।-2
बन्ना है आया देखो घोड़ी पे चढ़ के,
चेहरे पे डाले हुए मोतियों की लड़ियां,
बन्ना लाया है बरात, बैंड बाजे के साथ,
कैसे खुशियों से दमके हैं सबके चेहरे।
हो ले के..................हरियाला बन्ना।-2
पगड़ी लगाये है, वो कलगी सजाये,
हाथों में प्यार की वो मेंहदी रचाये,
तीखे कजरे की धार, डाली भाभियों ने आज,
कैसा सोणा सजा है ये प्यारा बन्ना।
हो ले के..................हरियाला बन्ना।-2
चुनरी भी साथ लाया, सिंदूर भी लाया,
बन्नी को ब्याहने सौगात लाया,
बन्ना आया डोली ले के, लिये सपने हजार,
बन्ना आया है देखो बरात ले के।
हो ले के..................हरियाला बन्ना।-2

(4) तर्ज-(ओ मेरी, ओ मेरी, ओ मेरी शर्मीली)

ओ मेरी, ओ मेरी, ओ मेरी बन्नो री,
(आओ न तड़पाओ न)-2
ओ मेरी..................बन्नो री।
हो तेरा कुंदन जैसा (रूप दमके)-2
तेरे तीखे-तीखे (दो नैना)-2
तेरे मीठे-मीठे (बैना रे)-2
ओ मेरी..................बन्नो री।
हो तेरे काले गेसू (नागिन से)-2
तेरे गेसू में गजरा (महके रे)-2
तेरे माथे पे बिंदिया (चमके रे)-2
ओ मेरी..................बन्नो री।
तेरे हाथों की चूड़ी (खनके रे)-2
तेरे पांव की पायल (बाजे रे)-2
तुम छम-छम करती (आओ न)-2
ओ मेरी..................बन्नो री।

(5) तर्ज- (मेरी दूरों से आई बरात)
(मेरा बन्ना चला बनठन के,
कि घोड़ी पे चढ़ के,
बन्नी के घर जाना है।)-2
आओ जी आओ बन्ने पगड़ी पहना दें-2
पगड़ी में तेरी कलगी लगा दें।
मेरा बन्ना.................जाना है।-2
आओ जी आओ बन्ने कजरा लगा दें-2
हाथों में तेरे मेंहदी रचा दें।
मेरा बन्ना.................जाना है।-2
आओ जी आओ बन्ने फेंटा बंधा दें-2
फेंटे में तेरे तलवार सजा दें।
मेरा बन्ना.................जाना है।-2
आओ जी आओ बन्ने जूती पहना दे,
जूती में तेरी मोती जड़ा दें।
मेरा बन्ना.................जाना है।-2

(6) तर्ज-(काली तेरी चोटी है, परांदा तेरा लाल नी)

काले-काले बाल उसके, गोरे-गोरे गाल नीं,
सोणी-सोणी बन्नी को, बन्ने तू संभाल नीं,
किसी मनचले का उस पे आ गया जो दिल,
होगी बड़ी मुश्किल।
बन्ना भी सोणा देखो बन्नी भी सोणी है,
बन्ना भी चढ़ के आया, ऊँची लम्बी घोड़ी है,
ब्याह के ले जायेगा, बन्ना जो आज,
होगी कैसी मुश्किल?
लाल-लाल जोड़े में सज रही बन्नी,
बन्ने के दिल को हर रही बन्नी,
हाथ में हाथ ले के, फेरे होंगे सात,
होगी कैसी मुश्किल?
बन्ना ले के आया, डोली प्यारी बन्नी
डोली चढ़ के ससुराल चली बन्नी,
बन्ना भी होगा उसके घोड़ी लिये साथ,
होगी कैसी मुश्किल?





(7) मोबाइल पे बन्ना, बन्नी से यूं बोला,
बन्नी चांट खिलाउँ तुझे, तू जल्दी आ जाना।
बन्नी बन्ने से बोली, मैं तो राज चाट खाउँ,
मुझसे ब्याह रचाना है, तो मैं तेरे संग आउँ।
मोबाइल पे बन्ना, बन्नी से यूं बोला,
बन्नी पिक्चर चलना है, तू जल्दी आ जाना।
बन्नी बन्ने से बोली, मैं रोज पिक्चर देखूं,
बारात लाना है, तो मैं तेरे संग आउँ।
मोबाइल पे बन्ना, बन्नी से यूं बोला,
तू दुल्हन बन जाना, मैं बारात लाउँगा।
बन्नी बन्ने से बोली, तू बारात ले आना,
तेरा साथ चाहिये मुझे, तू डोली ले आना।





(8) तर्ज- (रमैय्या-वस्ता-वैया)-2

मेरा हरियाला बन्ना, मेरा शहजादा बन्ना-2
सूट में खूब जंचे है-2
मेरा हरियाला.....................बन्ना।-2
बन्ने के सिर पे पगड़ी, पगड़ी में लगी है कलगी।
बन्ना घोड़ी पे बैठा देखो कैसा जंचा है?-2
मेरा हरियाला.....................बन्ना।-2
बन्ने के संग बराती, बैड-बाजा बजा है,
बन्ना बारात ले के, चला बन्नी को ब्याहने।-2
मेरा हरियाला.....................बन्ना।-2
बैंड-बाजे ने खूब मचाई है धूम। होSS
नाना और मामा, मौसा, दादा और चाचा फूफा,
देखो कैसे नाचे हैं, सबके चेहरे खिले है,
बन्ना बन्नी को लाने, चला है डोली ले के,
पापा भी वारी जायें, मैया भी वारी जायें,
बन्ना बन्नी को लाने सबके संग-संग चला है।
मेरा हरियाला.....................बन्ना।-2





(9) बन्नो रानी को कैसे रिझाऊँ?
आखिर कैसे मैं तुझको मनाऊँ?
तू जो चाहे तो साड़ी मंगा दूं।
साड़ी करनी क्या? गाड़ी मंगा दो।
बन्नो रानी..............मनाऊँ?
तू जो चाहे स्कूटर दिला दूं।
स्कूटर करना क्या? कम्प्यूटर दिला दो।
बन्नो रानी..............मनाऊँ?
तू जो चाहे मैं मुंदडी दिला दूं।
मुंदडी करनी क्या? जीन्स दिला दो।
बन्नो रानी..............मनाऊँ?
तू जो चाहे मैं हार दिला दूं।
हार करना क्या? प्यार सिखा दो।
बन्नो रानी तो मान गई है,
तू तो मेरी, बस मेरी हुई है।





भात -

(1) भतइया घर आये, बजाओ बधाई-2

मामा ले के आये, बन्नी का चोली-लहंगा,
लहंगे में जड़े हीरा, मोती, पन्ना।
भतइया घर............बधाई।-2
मामा ले के आये, चुनरिया गोटेदार,
चुनरिया में जड़े सलमे सितारे हजार।
भतइया घर............बधाई।-2
मामा ले के आये, बन्नी के झुमके-हार,
उस हार में जड़े हैं हीरे हजार।
भतइया घर............बधाई।-2
मामा ले के आये, बन्नी के बिछुए, पायल,
उस पायल में जड़े हैं घुंघरु हजार।
भतइया घर............बधाई।-2
मामा ले के आये, सबके तोहफे हजार,
उन तोहफों के साथ हैं नोट हजार।
भतइया घर............बधाई।-2





(2) मेरा छोटा भतइया भात ले के आया, जरा देखना।-2
लहंगा भी लाया, वो तो जम्फर भी लाया,)-2
मलमल की चुनरी हवा में उड़ी जाये जरा देखना।
मेरा छोटा......................जरा देखना।-2
नथनी भी लाया, वो तो बेंदी भी लाया,)-2
माथे की बिंदिया, हवा में उड़ी जाये, जरा देखना।
मेरा छोटा......................जरा देखना।-2
हार भी लाया, वो तो कंगना भी लाया,)-2
कान के झुमके हवा में उड़े जायें, जरा देखना।
मेरा छोटा......................जरा देखना।-2
पायल भी लाया, वो तो बिछुए भी लाया,)-2
पैरों के तोड़े हवा में बहे जायें, जरा देखना।
मेरा छोटा......................जरा देखना।-2





(3) (भतइया बैठे आंगन में दिल खोल)-2
बन्नी की साड़ी और जम्फर हैं लाये,
लाये हैं सोलह सिंगार।
(भतइया..................दिल खोल)-2
बन्नी की नथनी और झुमके भी लाये,
लाये हैं बाजूबन्द मोर।
(भतइया..................दिल खोल)-2
बन्नी की अंगूठी और कंगन लाये,
लाये हैं नौलखहार।
(भतइया..................दिल खोल)-2
बन्नी के बिछुए और पाजेब लाये,
लाये हैं पैरों के तोड़।
(भतइया..................दिल खोल)-2
सबके लिये वो तो तोहफे लाये,
बांटे हैं तोहफे दिल खोल।
(भतइया..................दिल खोल)-2





(4) तर्ज-(जोगी हम तो लुट गये तेरे प्यार में,
जाने तुझको खबर कब होगी?)

(बहना हम तो लुट गये तेरे भात में,
जाने तुझको खबर कब होगी?)-2

टीक भी लाये, जोड़ा भी लाये, लाये नौलखाहार,
बहन तिहारी बिंदिया लाये, वो भी पसंद न आये।
बहना हम..................कब होगी?

अंगूठी भी लाये, कंगना भी लाये,
बाजूबन्द लाये साथ,
बहन तिहारी साड़ी लाये, वो भी पसंद न आये।
बहना हम..................कब होगी?

पायल भी लाये बिछुए भी लाये, तोड़े लाये साथ,
जीजा जी के कपड़े लाये, वो भी पसंद न आये।
बहना हम..................कब होगी?

लहंगा भी लाये चोली भी लाये, चुनर लाये साथ,
सारे घर के तोहफे लाये, वो भी पसंद न आये।
बहना हम..................कब होगी?





मांग के गीत-

(1) मांगे रे मांगे दुल्हन आज, गणपति दे दो ये वरदान,
रहे अटल अब मेरा सुहाग,
जीवन की बस ये ही आस।
मांगे रे......................ये ही आस।
दादा ने सुहाग लाया, दादी ने मांग सजाया है,
सबकी गणपति एक ही साध,
रहे अटल बन्नी का सुहाग।
मांगे रे......................ये ही आस।
(मामा-मामी, नाना-नानी, चाचा-चाची, बुआ-फूफा)

(2) हाथ जोड़ गिरिजा से बन्नी करे प्रार्थना-2
ओ प्यारी माता, मेरी पूरी करो कामना।
दादी जी की आस रहे, दादा जी की शान,-2
कुल की तुम लाज रखो, ओ प्यारी माता-2
नानी जी की आस रहे, नाना जी की शान-2
बन्नी की मांग भरो, ओ प्यारी माता,
हाथ जोड़....................कामना।
(चाचा-चाची, मामी-मामा, बुआ-फूफा, मौसी-मौसा)





(3) (मेरा जुग-जुग जीवे भरतार।)-2
यही मेरी है आस, मैया मेरी है साध,
मेरा जुग................भरतार।-2
मेरे मांग की रखो लाज,
(मेरे सिंदूर की हो लम्बी उमरिया।)-2
मेरा जुग................भरतार।-2
जब-जब मैं जीवन पाऊँ,
(बस उसका ही प्यार मैं पाऊँ)-2
मेरा जुग................भरतार।-2
जाना पड़े जब इस दुनिया से,
(सुख से तब मैं जाऊँ)-2
मेरा जुग................भरतार।-2





(4) तर्ज- (तूने हो रगीले कैसा जादू किया,
पिया-पिया बोले मतवाला जिया)

मेंहदी वाले हाथ, कैसा जादू किया,
बन्ना-बन्ना बोले बन्नी का जिया।
सजाओ बन्नी की मांग ओ बन्नी की दादी,
दादा लाये सुहाग, बन्नी होये परायी।
मेंहदी वाले.................बन्नी का जिया।
(नानी-नाना, मामी-मामा, बुआ-फूफा, मौसी-मौसा)





(5) तर्ज- (खुशी-खुशी कर दो विदा, कि रानी बेटी राज करेगी।)

खुशी-खुशी मांग भरो, कि बन्नी रानी मांगे सुहाग।-2

(दादा आये, सिंदूर लाये)-2
(दादी रानी सजाओ तुम मांग)-2
कि बन्नी रानी मांगे सुहाग।
खुशी-खुशी मांग................मांगे सुहाग।-2
(नाना-नानी, मामा-मामी, बुआ-फूफा, मौसा-मौसी)





(6) मैया के द्वारे खड़ी दुल्हन मांगे अटल सुहाग।
मैया करो ये पूरण आस, अटल रहे बस मेरा सुहाग।
आई हूं माता द्वारे तेरे, पूरण करो मां ये अरदास।
मांग का सिंदूर अमर बना दो, जुग-जुग जीवे मेरा भरतार।
मैया के............................सुहाग।
आई हूं...........................अरदास।
माथे की बिंदिया अमर बना दो, जुग-जुग जीवे मेरा भरतार।
मैया के............................सुहाग।
आई हूं...........................अरदास।
हाथें की चूड़ियां अमर बना दो, जुग-जुग जीवे मेरा भरतार।
मैया के............................सुहाग।
आई हूं...........................अरदास।
पांव के बिछुए अमर बना दो, जुग-जुग जीवे मेरा भरतार।
मैया के............................सुहाग।
आई हूं...........................अरदास।
पैरों की पायल अमर बना दो, जुग-जुग जीवे मेरा भरतार।
मैया के............................सुहाग।
आई हूं...........................अरदास।





ब्याह के गीत-

(1) तर्ज-(डोली चढ़ के दुल्हन ससुराल चली, डोली चढ़ के)

बन्ना फूलों की लड़ियां सजा के चला, हो बन्ना फूलों की।
अपने चेहरे पे सेहरा सजा के चला।
बन्ना फूलों की............फूलों की।
बन्नो रानी तुम्हें आज पाना भी है,
तुमसे किया जो वादा निभाना भी है।
बन्ना फूलों की............फूलों की।
बन्नो रानी तुम थोड़ा सा धैर्य धरो,
मेरे आने तक थोड़ा इन्तजार करो।
बन्ना फूलों की............फूलों की।
बन्नी सजधज के बन्ने की राह तके,
कब आयेगा बन्ना, वो ये ही सोचे।
बन्ना फूलों की............फूलों की।
बन्ना आया जो द्वारे पे धूम मची,
बन्ने बन्नी के गले जयमाल पड़ी।
बन्ना फूलों की............फूलों की।
बन्ना फेरों पे बैठा बन्नी से कहे,
बन्नी तुम हो गई, मेरी सदा के लिये।
बन्ना फूलों की............फूलों की।





(2) तर्ज- (ये दो दीवाने दिल के, चले हैं देखो मिल के,
(चले हैं)-3 ससुराल)

देखो जी बनठन के और घोड़ी पे चढ़ के,
(चला है)-3 दूल्हा यार, हो हो हो हो हो हो।
देखो जी आये हैं ढेरों बराती,
(बरात में नाच रहे दादा और दादी)-2
दादा के सिर पगड़ी, दादी की चमके तगड़ी,
(चला है)-3 दूल्हा यार, हो हो हो हो हो हो।
देखो जी आये हैं ढेरों बराती,
(बारात में नाच रहे नाना और नानी)-2
नाना की लहके दाढ़ी, नानी की सुंदर साड़ी,
(चला है)-3 दूल्हा यार, हो हो हो हो हो हो।
देखो जी आये हैं ढेरों बराती,
(बरात में नाच रहे मामा और मामी)-2
मामा का चमके सूट, मामी का दमके रूप,
(चला है)-3 दूल्हा यार, हो हो हो हो हो हो।
देखो जी आये हैं ढेरों बराती,
(बरात में नाच रहे चाचा और चाची)-2
चाचा की चमके पैंट, चाची की महके सेंट,
(चला है)-3 दूल्हा यार, हो हो हो हो हो हो।





(3) बन्ना फेरों पे बैठा बन्नी से ये बोला,
बन्नी महल बनाऊँ मैं, या मेरे दिल में रहना है।
बन्नी बन्ने से बोली, बन्ने महल बना दो जी।
ये दिल तो है मेरा, तेरे दिल में रहना है।
बन्ना फेरों पे बैठा बन्नी से ये बोला,
बन्नी हार जड़ाऊँ मैं, या बाहों का हार मैं दूं।
बन्नी बन्ने से बोली, बन्ने हार जड़ा दो जी।
बाहों का हार मेरा, तेरी कैद में रहना है।
बन्ना फेरों पे बैठा बन्नी से ये बोला,
बन्नी साड़ी मंगा दूं मैं, या मेरे संग-संग रहना है।
बन्नी बन्ने से बोली, बन्ने साड़ी मंगा दो जी।
तेरा संग तो है मेरा, तेरे संग-संग रहना है।
बन्ना फेरों पे बैठा बन्नी से ये बोला,
बन्नी हम भी तेरे हैं, ये दिल भी तेरा है।
बस साथ चाहिये तेरा, मेरा सब कुछ तेरा है।





(4) बन्ना आया है घोड़ी पे चढ़ के,
बन्नी देखे उसे छुप-छुप के।-2
बन्ना देखो रे कैसा सजा है?
उसकी पगड़ी में कलगी लगी है।
कलगी हीरे-मोती से जड़ी है,
चेहरा सेहरे से उसका ढका है।
बन्ना आया.............छुप-छुप के।-2
बन्ना देखो रे कैसा सजा है?
उस पे सूट क्या खूब फबा है?
उसकी क़मर पे फेंटा बंधा है,
फेंटे में उसके तलवार लगी है।
बन्ना आया.............छुप-छुप के।-2
बन्ना देखो रे कैसा सजा है?
उसके पांव में जूती सजी है।
जूती हीरे-मोती से जड़ी है।
जिनसे पांव की शोभा बढ़ी है।
बन्ना आया.............छुप-छुप के।-2
बन्ना देखो रे कैसा सजा है?
वो तो राजा के जैसा लगा है।
संग बैंड-बराती हैं आये,
सबके चेहरों पे खुशियां सजी हैं।
बन्ना आया.............छुप-छुप के।-2





(5) तर्ज-(झिलमिल सितारों का आंगन होगा,
रिमझिम बरसता सावन होगा।)

चमचम चमकता ये घर होगा,
बन्ने के आगमन से रौशन होगा।
कैसा सुन्दर सपना उनका पूरण होगा?
चमचम..............रौशन होगा।
बन्ना बन्नी को मंडप में वरेगा,
सबका खुशियों से चेहरा दमकेगा।
कैसा सुन्दर.................पूरण होगा?
चमचम..............रौशन होगा।
बन्नी रानी बन्ने संग फेरों पे जायेगी,
भैया खीलों से उसकी झोली भरेगा।
कैसा सुन्दर.................पूरण होगा?
चमचम..............रौशन होगा।
बन्ना जो बन्नी की मांग भरेगा,
बन्नी का रूप क्या खूब निखरेगा।
कैसा सुन्दर.................पूरण होगा?
चमचम..............रौशन होगा।
मम्मी और पापा कन्यादान करेंगे,
बन्नी की आंखों से मोती झरेगा।
कैसा सुन्दर.................पूरण होगा?
चमचम..............रौशन होगा।
बन्नी को बन्ना विदा जो करायेगा,
आंसुओं से सबका चेहरा धुलेगा।
कैसा सुन्दर.................पूरण होगा?
चमचम..............रौशन होगा।

(6) तर्ज- (दूर कोई गाये धुन ये सुनाये,
तेरे बिन छलिया रे, कि बाजे न मुरलिया रे)

बन्ना बुलाये बन्नी नहीं आये,
कैसे आये बन्नी रे?
कि आती उसे लाज रे।
हाथ बन्नी के चूड़ी सोहे,
चूड़ी उसकी बजने लगी,
कि कैसे आये बन्नी रे?
बन्ना बुलाये.............लाज रे।
कमर बन्नी के गुच्छा सोहे,
गुच्छा उसका बजने लगा,
कि कैसे आये बन्नी रे?
बन्ना बुलाये.............लाज रे।
पांव बन्नी के पायल सोहे,
पायल उसकी बजने लगी,
कि कैसे आये बन्नी रे?
बन्ना बुलाये.............लाज रे।





(7) बन्नी बैठी सजधज के,
(निहारे पिया की बाट)-2
(जाओ जी सखियों ये तो बताओ,
बन्ना लाये क्या बरात?)
बाट जोहे बैठी बन्नो
(मन ही मन से सोच रही।)-2
कैसे होंगे मेरे पिया?
मैं जिनको वरूँगी आज।
बन्नी बैठी............क्या बरात?-2
एक सखी तभी दौड़ी-दौड़ी,
(आई उसके पास)-2
बन्नी रानी, बन्ने राजा
ले के आ गये हैं बरात।
बन्नी बैठी............क्या बरात?-2
घोड़ी पे क्या खूब फबे हैं,
(बन्ना तेरा आज)-2
चाचा, दादा, मामा, मौसा,
सब हैं उसके साथ।
बन्नी बैठी............क्या बरात?-2
मित्र-सखा सब नाच रहे हैं,
(दे-दे करके ताल)-2

बन्ने के मन में भी लड्डू
फूट रहे हैं आज।
बन्नी बैठी............क्या बरात?-2
बन्नी फिर शर्माई और
(सखियों से तब ये बोली)-2
क्या मैं तुमको याद आऊँगी?
जब होऊँगी न तुम्हारे पास।
बन्नी बैठी............क्या बरात?-2
सखियां बोली बन्नी से,
(तुम हरदम याद आओगी)-2
पर तुम न हमको याद करोगी,
जब पाओगी पिया का साथ।
बन्नी बैठी............क्या बरात?-2
छोड़ के बन्नी कल जायेगी,
(अपने पिया के साथ)-2
सोच के सबकी अखियों ने,
कर दी है बरसात।
बन्नी बैठी............क्या बरात?-2





(४) तर्ज- (आज की रात मेरे दिल की सलामी ले ले,
दिल की सलामी ले ले)

आज की रात बन्नी, (बने संग फेरे ले ले,)-2
कल सुबह होते ही, बन्नी तू चली जयेगी
तू तो चली जायेगी, तेरी यादें रह जायेंगी।
आज की रात.................फेरे ले ले।)-2
कल विदा हो के, तू जो बन्नी चली जायेगी,
जा के बन्ने के संग, नयी दुनिया बसायेगी।
आज की रात.................फेरे ले ले।)-2
अपनी नयी दुनिया में, तू बन्नी खो जायेगी,
मम्मी, पापा, भैया को तेरी याद रूलायेगी।
आज की रात.................फेरे ले ले।)-2
याद मैके की आये तो, बन्नी चली आना तुम,
बाबुल के अंगना को, न यूं भूल जाना तुम।
आज की रात.................फेरे ले ले।)-2





(9) लगी रे मेंहदी सज गई रे दुल्हनिया।
(हाय नजर लग जाये न राम,
उसे पिया के देस है जाना।)-2
लगी रे.................दुल्हनिया।
(गोरे-गोरे हाथों में लाल-लाल मेंहदी,)-2
दुल्हन के हाथों में कैसी रची मेंहदी?
ले जायेगी पिया के दिल को निकाल।
हाय नजर.............है जाना।
लगी रे.................दुल्हनिया।
मेंहदी लगे हाथों में हरी-हरी चूड़ियां,)-2
बाजी ये कैसी रे खनखन चूड़ियां?
चूडियों की खनखन पे दिल गया डोल।
हाय नजर.............है जाना।
लगी रे.................दुल्हनिया।
(डोले में बैठ जो डोलेगी नथनिया)-2
मेंहदी लगे हाथों से चेहरा छुपायेगी,
लेगी करेजा पिया का निकाल।
हाय नजर.............है जाना।
लगी रे.................दुल्हनिया।





(10) (हो बन्ना लाया रे, चंदा सी दुल्हन लाया रे।)-2

वो तो दिखे चांद-चकोरी,
उसका रंग है सुनहरी,
लाया रे चंदा सी दुल्हन लाया रे।
हो बन्ना......................लाया रे।

उसके गोरे-गोरे गाल,
उसके काले-काले बाल,
लाया रे चंदा सी दुल्हन लाया रे।
हो बन्ना......................लाया रे।

वो तो लागे है शर्मीली,
उसकी आंखें है रसीली,
लाया रे चंदा सी दुल्हन लाया रे।
हो बन्ना......................लाया रे।

तो वो आप ही लजाये,
कैसी मंद-मंद मुस्काये,
लाया रे चंदा सी दुल्हन लाया रे।
हो बन्ना......................लाया रे।

उसकी चाल है निराली,
जैसे नागिन मतवाली,
लाया रे चंदा सी दुल्हन लाया रे।
हो बन्ना......................लाया रे।





विदाई के गीत-

(1) तर्ज-(ये कौन आया, रौशन हो गई,
महफिल जिसके नाम से)

छूटा मैका, छूटी सखियां, अब क्या होगा राम रे?
बन्नी के नैना भर आये, जाना पी के धाम रे।
छूटा मैका.........................राम रे?
बन्नी रोयें, मम्मी रोयें, रोयें पापा राम रे,
बन्नी की सखियां भी रोयें, जाना पी के धाम रे।
छूटा मैका.........................राम रे?
बहना रोये, जीजा रोयें, रोयें सब जहान रे,
बन्नी के भैया भी रोयें, जाना पी के धाम रे।
छूटा मैका.........................राम रे?
मौसी रोयें, मौसा रोयें, रोयें मामा राम रे,
नानी, नाना हर कोई रोये, जाना पी के धाम रे।
छूटा मैका.........................राम रे?
बुआ रोयें, फूफा रोयें, रोयें चाचा राम रे,
दादी, दादा हर कोई रोये, जाना पी के धाम रे।
छूटा मैका.........................राम रे?
प्यारी बन्नी ससुराल जाके, रहो तुम खुशहाल रे,
प्यार के तुम फूल खिलाओ, घर का बढ़ाओ मान रे।
छूटा मैका.........................राम रे?





(2) आज मेरी जाई,
हुई पल में पराई।
कैसी दुनिया की रीत निराली?
(पर मुझे भी पड़ेगी निभानी।)-2
ये है रीत पुरानी,
बेटी हुई जो सयानी,
कब मैया के पास है रहती?
(वो तो अपने पिया संग रहती।)-2
जाओ बेटी प्यारी जाओ,
अपनी दुनिया बसाओ,
उस दुनिया में तू खुश रहना,
सदा शील-संयम हो तेरा गहना।)-2
बेटी ससुराल जा के,
सब पे प्यार बरसाओ,
अपने पिया के दिल में तू रहना,
(सदा उसकी ही हो के तू रहना।)-2





(3) तर्ज- (हो ले के पहला-पहला प्यार)

हो ले के सपन हजार, लिये मेंहदी वाले हाथ,
चली बन्नी है आज ससुराल देखो।
चली बन्ने के साथ, बैठ डोलिया में आज,
चली छोड़ वो बाबुल की गलियां देखो।
बन्नी भी रोये, मैया भी रोये,
रोयें हैं सारी संग सखियां।
हो ले के....................ससुराल देखो।
गले लिपट बाबुल के रोये,
याद करे वो रंग-रलियां।
हो ले के....................ससुराल देखो।
याद करे वो दिन बचपन के,
कैसी प्यारी थी वो घड़ियां?
हो ले के....................ससुराल देखो।
बहना से मिल के भैया भी रोये,
कैसे बिताये अब दिन-रतियां?
हो ले के....................ससुराल देखो।





(4) तर्ज- (डोली चढ़ के दुल्हन ससुराल चली, डोली चढ़ के)

विदा हो के बन्नी ससुराल चली, विदा हो के।
कैसे मुड़-मुड़ के बाबुल की देखे गली।
विदा हो के................विदा हो के।
आज बन्नी को ससुराल जाना भी है,
अपने सुसराल जा के निभाना भी है।
विदा हो के................विदा हो के।
बन्नी जाओ सदा खुशहाल रहो,
सबके दिल में सदा तुम राज करो।
विदा हो के................विदा हो के।
बन्नी अपने पिया जी के दिल में रहो,
सदा उनके सुख-दुख की तुम साथी बनो।
विदा हो के................विदा हो के।





(5) जाओ जी जाओ ससुराल, रहो खुशहाल,
ये मां तेरी दुआ करे।
प्यारी बन्नी, भूल न जाना,
हम को अपने दिल में बसाना।
सासू तेरी मां जैसी हों,
ननदी भी बहना जैसी हो,
जाओ जी जाओ ससुराल,
रखो घर की लाज,
ये मां तेरी दुआ करे।
प्यारी बन्नी छोड़ चली हो,
हम को पराया करके चली हो।
ससुर तेरे पापा से हों,
देवर भी भैया जैसा हो।
जाओ जी जाओ ससुराल,
रखो कुल की लाज,
ये मां तेरी दुआ करे।
प्यारी बन्नी साथ निभाना,
अपने पिया के घर को बसाना,
पिया तेरा चांद सरीखा,
उसके दिल में जगह बनाना,
जाओ जी जाओ ससुराल,
रहो तुम आबाद,
ये मां तेरी दुआ करे।





(6) बाबुल के घर बन्नी नहीं तेरा ठिकाना है,
तुझको तो अपने पिया का घर बसाना है।-2
मां ने जाया बन्नी तुझे, बाबुल ने पाला है,
चाचा, बुआ, मौसी, मामा ने झुला झुलाया है।
बाबुल के.........................बसाना है।-2
मैया तूने जन्म दिया, पढ़ाया, संवारा है,
फिर क्यूं तूने पल में किया मुझे पराया है?
बाबुल के.........................बसाना है।-2
बेटी घर बाबुल के अमानत किसी की है,
दस्तूर ये तो दुनिया का पुराना है।
बाबुल के.........................बसाना है।-2





(7) तर्ज- (काहे को ब्याहे विदेस, अरे लखिया बाबुल मेरे)

जाउँ पिया जी के देस, अरे सुन बाबुल मेरे।

मैं तो चली परदेस, अरे सुन बाबुल मेरे।

जाउँ पिया.....................बाबुल मेरे।

(बन्ना आया है घोड़ी पे चढ़ के)-2

पगड़ी लगे सर पे ताज।

अरे सुन.....................बाबुल मेरे।

(सेहरे से उसका चेहरा ढका है।)-2

जैसे बदरिया में चांद।

अरे सुन.....................बाबुल मेरे।

(बन्ने के साथ हैं बैंड और बाजे)-2

ले के आया है बरात।

अरे सुन.....................बाबुल मेरे।

(डोलिया ले के बन्ना आया)-2

जाउँ पिया जी के साथ।

अरे सुन.....................बाबुल मेरे।

(इतने बरस तेरे अंगना में खेली)-2

छोड़ चली तोहे आज।

अरे सुन.....................बाबुल मेरे।

(रोना न तू, बाबुल मोहे याद करके)-2

रखना तू अपना ख्याल।

अरे सुन.....................बाबुल मेरे।

(8) तर्ज- (मिल गये नैनों से नैना, होय क्या बात हो गई)

मिल गया बन्नी से बन्ना, होय क्या बात हो गई?
बन्नी की मांग सजाई वो पराई हो गई।
सखियां भी आईं सम्बन्धी भी आये,
आया है सारा जमाना,
मम्मी पापा ने उसका कन्यादान किया,
बन्नी को बन्ने को उन्होंने सौंप दिया।
मिल गया....................पराई हो गई।
मम्मी भी रोवें और पापा भी रोवें,
अरे रोवे हैं सारा जमाना,
बन्नी तुझको तो आज ससुराल जाना है।
अपने बन्ने का घर भी बसाना है।
मिल गया....................पराई हो गई।
प्यार भी बांटो, दुलार भी बांटो,
अरे बांटो तुम खूब सम्मान,
बन्नी बन्ने का साथ निभाना है,
दोनों कुल की भी लाज बचाना है।
मिल गया....................पराई हो गई।

(9) बन्नो रानी हुई है पराई, मेरे घर में बाजे शहनाई।-2
कैसा कुंदन सा रूप सजा है,
बन्नो रानी तेरा ये मायका है।
तू बन्ने के संग में जा के,
ससुराल को अपना बनाये।
बन्नो रानी....................शहनाई।-2
घर दादी, नानी देखो आईं,
बुआ, मौसी, मामी भी हैं आईं।
बन्नो प्यार से सबको जीतो,
उस घर में भी खुशियां बिखेरो।
बन्नो रानी....................शहनाई।-2
संग सखियां भी हैं आईं,
तोहे प्यार से गले लगाईं।
वो तो देंगी तोहे बधाई,
बन्नो मन ही मन शर्माई।
बन्नो रानी....................शहनाई।-2
भैया, पापा भी विदा करायें,
उनकी अंखियां भी आंसू बहायें।
मां के गले लगी प्यारी बन्नो,
ढेरों असीस है पाती प्यारी बन्नो।
बन्नो रानी....................शहनाई।-2
बन्नो हमको न भूल जाना,
तुम्हें पिया जी के संग है जाना।
बन्नो प्यार का दीप जलाना,
अपनी यादों में हमको बसाना।
बन्नो रानी....................शहनाई।-2





(10) तर्ज- (छोड़ बाबुल का घर,
मोहे पी के नगर आज जाना पड़ा)
छोड़ मैके का घर, मोहे बन्ने के घर आज जाना पड़ा।
हो हो हो हो हो हो आज जाना पड़ा।
छोड़ मैके..............................जाना पड़ा।
जा के उनकी नगरिया बसाऊँगी मैं,
अपने मैके को दिल में छुपाऊँगी मैं, हां छुपाऊँगी मैं।
छोड़ भैया का प्यार और सखियों का साथ,
मोहे जाना पड़ा, हो हो हो हो हो हो आज जाना पड़ा।
छोड़ मैके..............................जाना पड़ा।
देवर, ननदी तो होंगे मेरे सखा से,
सास संसुर को अपना बनाऊँगी मैं, हां बनाऊँगी मैं।
छोड़ मैया का प्यार और बाबुल का हाथ,
मोहे जाना पड़ा, हो हो हो हो हो हो आज जाना पड़ा।
पी के दिल में ही घर अब बनाऊँगी मैं,
उनके साथ ही जीवन बिताऊँगी मैं, हां, बिताऊँगी मैं।
छोड़ बाबुल की गलियां, मोहे पी की नगरिया,
आज जाना पड़ा,
हो हो हो हो हो हो आज जाना पड़ा।
छोड़ मैके..............................जाना पड़ा।





(11) बाबुल की पाली, मैया की लाडो,
आज चली ससुराल।
भूल न जाना, बन्नो रानी, पा के पी का साथ।
दादा ने गोद खिलाया तुझको,
दादी ने लाड़ लड़ाया।
जाओ जी जाओ बन्नो रानी, सदा रहो खुशहाल।
भैया ने तेरे नखरे उठाये,
बहना ने साथ निभाया,
याद हमें तुम रखना बन्नो, भूल न जाना साथ।
सखियां तेरे साथ में खेलीं,
रोयेंगी वो जार-जार
यादों में हमको बसाना बन्नो, कभी न होना उदास।

(12) (चली चली रे चली रे बन्नो चली रे,
चली बन्ने के साथ, छोड़ बाबुल को आज,
अपने पी की नगरिया चली रे।)-2
कुछ कहा न जाये है, बन्नी यूं शरमाये है,
घूंघट में बन्नी तो रह-रह के लजाये है।
चली चली रे..................चली रे।
बाबुल का अंगना छोड़, सासू घर आज चली,
सखियों को रोता छोड़, वो पी से आज मिली।
चली चली रे..................चली रे।
बन्नी रोये जार-जार, सबका छोड़ के वो साथ,
मैके की यादों को अपने दिल में वो बसा के चली।
चली चली रे..................चली रे।

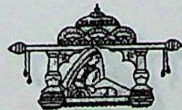




सीख-

(1) तर्ज- (खुशी-खुशी कर दो विदा,
कि रानी बेटी राज करेगी)

जाओ बेटी पी घर जाओ)-2
जाके पी की दुनिया बसाओ)-2
यही पापा जी देंगे दुआ,
यही मम्मी भी देंगी दुआ,
कि बेटी रानी फूलो-फलो तुम।
सुख-दुःख में तुम साथ निभाओ,
दिल में उनके जगह बनाओ।
यही पापा जी...............तुम।
सास-ससुर की सेवा करके,
उनको भी तुम अपना बनाओ।
नन्द, देवर को मीत बना के,
उनकी तुम हमदर्द बन जाओ।
यही पापा जी...............तुम।
मैके को यादों में बसा के,
नये जीवन में कदम बढ़ाओं।
सबको अपना करके बेटी,
दोनों कुल की लाज बचाओ।
यही पापा जी...............तुम।
जाओ बेटी..................बसाओ।


(2) क्यों नैनों से बरसे नीर, मत रोवे राजदुलारी,
मत रोवे राजदुलारी)-2,
क्यों नैनों से बरसे नीर।
यहां मात-पिता छूट जावेंगे,
वहां सास-ससुर मिल जावेंगे।
(बेटी सेवा करना सीख।)-2
मत रोवे..........क्यों, नैनों.........नीर।
यहां भइया-भाभी छूट जावेंगे,
वहां जेठ-जेठानी मिल जावेंगे।
(बेटी हिलमिल रहना सीख।)-2
मत रोवे..........क्यों, नैनों.........नीर।
यहां जीजी-जीजा छूट जावेंगे,
वहां नन्द-नन्दोई मिल जावेंगे,
(बेटी लाड़-लड़ाना सीख।)-2
मत रोवे..........क्यों, नैनों.........नीर।
यहां सारा कुटुंब छूट जावेगा,
वहां पतिदेव मिल जावेंगे,
(बेटी यही दुनिया की रीत।)-2
मत रोवे..........क्यों, नैनों.........नीर।

(3) सूना मेरा ये अंगना है,
सूना है घर-द्वार।
बिन बेटी के सब सूना है,
सूना है संसार।
बेटी अपना घर है बसाने,
(चली पिया के द्वार।)-2
सूना करके जो तुम जाओ,
सदा रहो खुशहाल।
प्यार के उसमें फूल खिला के,
उस आंगन को भी महकाओ।
सास-ससुर की सेवा करके,
मां-बाबुल का प्यार पाओ।
देवर-नन्द को अपना करके,
उनको अपना मीत बनाओ।
अपने पिया के दिल को जीतो,
उनके दिल में खुद घर कर लो।







लेखिका का परिचय

श्रीमती अलका अग्रवाल पुत्री श्री सुशील चन्द्र अग्रवाल का जन्म लखनऊ में सन् 1956 में हुआ तथा इनकी पूर्ण शिक्षा भी लखनऊ में हुई। इन्होंने बी.एस.सी., एम.ए. (अर्थशास्त्र) और बी.एड. किया है।

आप गृहणी हैं, तथा इनके पति श्री पवन कुमार अग्रवाल एक राष्ट्रीयकृत बैंक में पुणे (महाराष्ट्र) में अधिकारी हैं। इनके दो पुत्र 'परिक्षित' और 'रजत' पुणे में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

इनके द्वारा लिखे गये लेख, कविताएं तथा कहानियां पुणे के एकमात्र हिन्दी दैनिक "आज का आनन्द " तथा लखनऊ से प्रकाशित "दैनिक हिन्दुस्तान" में समय-समय पर छपते रहते हैं। दैनिक "आज का आनन्द" के सम्पादक माननीय श्री श्याम अग्रवाल ने इन्हें इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इनकी कहानी दिल्ली की अर्धमासिक पत्रिका "सरिता" द्वारा छपने के लिए चयनित हैं तथा कहानियां एवं कविताएं "पुणे आकाशवाणी" से भी प्रसारित होती रहती हैं।

बी-2/3, ब्रम्हा आँगन
सालुन्के विहार रोड,
कोंढवा, पुणे-411048





